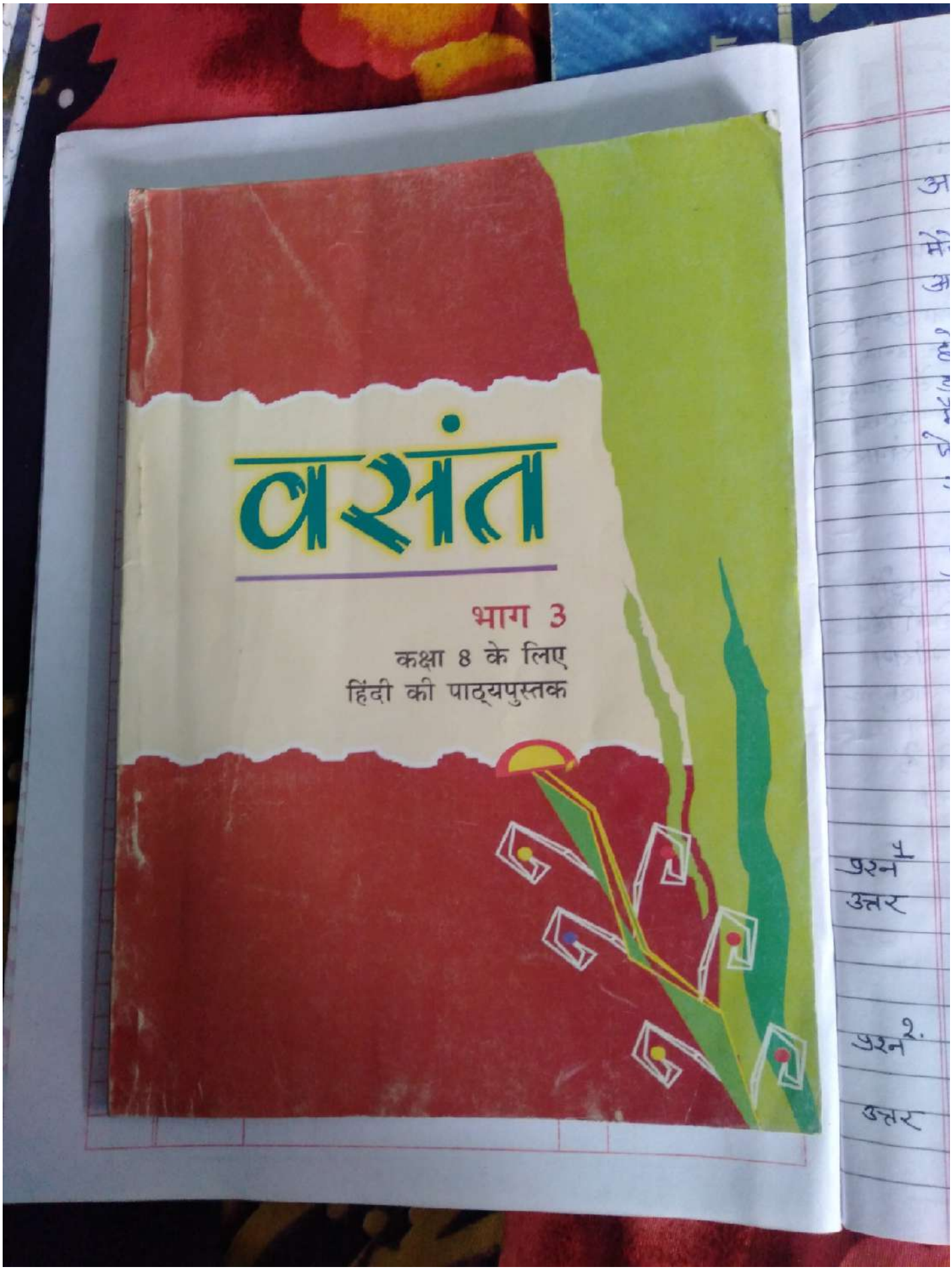
वसंत
भाग 3
कक्षा 8 के लिए
हिंदी की पाठ्यपुस्तक

DATE : / 20
PAGE No

पाठ - 1 ध्वनि (कविता)

अभी न होगा मेरा अंत
अभी-अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदुल वसंत-
अभी न होगा मेरा अंत।

हरे हरे ये पात
डालियाँ कलियाँ कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल कर
फेरूँगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर।

पुष्प-पुष्प से तंद्रालस लालसा खींच लूँगा मैं,
अपने नव जीवन का अमृत सहर्ष सींच दूँगा मैं,

द्वार दिखा दूँगा फिर उनको।
हैं मेरे वे जहां अनंत-
अभी न होगा मेरा अंत।

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?

उत्तर कवि को ऐसा विश्वास इसलिए है क्योंकि अभी उसके मन में नया जोश व उमंग है। अभी उसे काफी नवीन कार्य करने हैं। वह युवा पीढ़ी को आलस्य की दशा से उबारना चाहता है।

प्रश्न 2. फूलो को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन-कौनसा प्रयास करता है?

उत्तर कवि फूलों को कलियों की स्थिति से निकालकर खिले फूल बनाना चाहता है कवि कलियों को वासंती स्पर्श से खिला देगा। वह

Teacher's Signature.....

फूलों की आँखों से आलस्य हटाकर उन्हें चुस्त व जागरूक करना चाहता है।

प्रश्न 3. कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?

उत्तर कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए उन पर अपना हाथ फेरकर उन्हें जगाना चाहता है। वह उनको चुस्त प्राणवान आभावान व पुष्पित करना चाहता है अर्थात् कवि नींद में पड़े युवकों को प्रेरित करके उनमें नए उत्कर्ष के स्वप्न जगा कर व आलस्य दूर भगाकर उत्साह का संचार करना चाहता है।

प्रश्न 4. वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है

उत्तर वसंत को ऋतुराज कहा जाता है क्योंकि यह सभी ऋतुओं का राजा है। इस ऋतु में प्रकृति पूर्ण यौवन में होती है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। इस समय पंचतत्व (अग्नि जल, वायु पृथ्वी, आकाश) अपना मोहक रूप दिखाते हैं। पेड़ों पर नए पत्ते आने लगते हैं। खेतों में सरसों के पीले फूल दिखाई देते हैं। कोयल गाती है। इस ऋतु में कई प्रमुख त्योहार मनाए जाते हैं।

प्रश्न 1

उत्तर

प्रश्न 2.

उत्तर

प्रश्न 3.

उत्तर

Teacher's Signature

DATE : / 20
PAGE No

पाठ - 2 लाख की चूड़ियाँ

प्रश्न 1. बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था ?

उत्तर बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव इसलिए जाता था क्योंकि मामा के गाँव में लाख की चूड़ियाँ बनाने वाला कारीगर बदलू रहता था। लेखक को बदलू काका से अत्यधिक लगाव था क्योंकि वह लेखक को ढेर सारी लाख की रंग-बिरंगी गोलियाँ देता था इसलिए लेखक अपने मामा के गाँव जाता था।
गाँव के सभी लोग बदलू को 'बदलू काका' कहकर बुलाते थे इस कारण लेखक भी 'बदलू मामा' न कहकर बदलू काका कहता था।

प्रश्न 2. वस्तु-विनिमय क्या है ? विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है ?

उत्तर 'वस्तु विनिमय' में एक वस्तु को देकर दूसरी वस्तु ली जाती थी। वस्तु के लिए पैसे नहीं दिए जाते थे। वस्तु के बदले वस्तु लीजाती थी। किन्तु अब मुद्रा पद्धति है। जिसमें वस्तु के बदले मुद्रा (पैसे) दिए जाते हैं।

प्रश्न 3. "मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं" इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है ?

उत्तर इस पंक्ति में लेखक ने कारीगरों की व्यथा की ओर संकेत किया है। मशीनों के आगमन के साथ कारीगरों के हाथ से काम-धंधे छिन गए हैं। मानो उनके हाथ ही कट गए हों। उन कारीगरों का रोजगार इन पैतृक काम धन्धों से ही चलता था। उसके अलावा उन्होंने कभी कुछ नहीं सीखा था वे पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी इस कला से अपनी रोजी-रोटी चलाते रहे हैं परन्तु मशीनी युग ने उनकी रोजी रोटी पर वार किया है। मशीनों ने लोगों को बेरोजगार बना दिया।

Teacher's Signature.....

DATE : / 20
PAGE No

प्रश्न 4. बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी, जो लेखक से छिपी न रह सकी।

उत्तर बदलू लाख की चूड़ियाँ बेचा करता था परन्तु जैसे-जैसे काँच की चूड़ियों का प्रचलन बढ़ता गया उसका व्यवसाय ठप पड़ने लगा। अपने व्यवसाय की यह दुर्दशा बदलू को मन ही मन कचोटती थी। बदलू के मन में इस बात कि व्यथा थी कि मशीनी युग के प्रभाव स्वरूप उस जैसे अनेक कारीगरों को बेरोजगारी और उपेक्षा का शिकार होना पड़ा है। अब लोग कारीगरी की कद्र न करके दिखावटी चमक पर अधिक ध्यान देते हैं। उसकी यह व्यथा लेखक से छिपी न रह सकी।

प्रश्न 5. मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया?

उत्तर मशीनी युग से बदलू के जीवन में यह बदलाव आया कि बदलू का व्यवसाय बंद हो गया। वह बेरोजगार हो हो गया। काम न करने के कारण से उसे दो वक्त की रोटी भी नहीं मिल पा रही थी, जिस कारण उसका शरीर ढल गया। वह बीमार रहने लगा।

प्रश्न 6. लाख की वस्तुओं का निर्माण भारत के किन-किन राज्यों में होता है? लाख से चूड़ियों के अतिरिक्त क्या-क्या चीजे बनती हैं? बात कीजिए।

उत्तर लाख की वस्तुओं का निर्माण सर्वाधिक उत्तरप्रदेश में होता है। लाख से चूड़ियाँ, मूर्तियाँ, गोलियाँ तथा सजावट की वस्तुओं का निर्माण होता है।

Teacher's Signature

DATE: / / 20
PAGE No

पाठ-3 बस की यात्रा

प्रश्न 1. "मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।"
लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

उत्तर लेखक के मन में बस कंपनी के हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा इसलिए जग गई कि वह टायर की स्थिति से परिचित होने के बावजूद भी बस को चलाने का साहस जुटा रहा था। कंपनी का हिस्सेदार अपनी पुरानी बस की खूब तारीफ़ कर रहा था। अर्थ मोह की वजह से आत्म बलिदान की ऐसी भावना दुर्लभ थी जिसे देखकर लेखक हतप्रभ हो गया। और उसके मन में श्रद्धा-भाव उमड़ने लगा।

प्रश्न 2. "लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते।" लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर लोगों ने लेखक को यह सलाह इसलिए दी क्योंकि वे जानते थे कि बस की हालत बहुत खराब है। बस का कोई भरोसा नहीं है कि यह कब और कहाँ रुक जाए, शाम बीतते ही रात हो जाती है और रात रास्ते में कहा बितानी पड़ जाए, कुछ पता नही रहता। उनके अनुसार यह बस डाकिन की तरह है।

प्रश्न 3. "ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।" लेखक को ऐसा क्यों लगा?

उत्तर जब बस चालक ने इंजन स्टार्ट किया तब सारी बस झनझनाने लगी। लेखक को ऐसा प्रतीत हुआ कि पूरी बस ही इंजन है। मानो वह बस के भीतर न बैठकर इंजन के भीतर बैठा हुआ हो। अर्थात् इंजन के स्टार्ट होने पर इंजन के पुर्जों की भांति बस

Teacher's Signature........

के यात्री हिल रहे थे।

प्रश्न 4. 'गजब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।" लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

उत्तर बस की वर्तमान स्थिति देखते हुए इस प्रकार का आश्चर्य व्यक्त करना स्वाभाविक था। देखने से लग नहीं रहा था कि बस चलती भी होगी परन्तु जब लेखक ने बस के हिस्सेदार से पूछा तो उसने कहा चलेगी ही नहीं, अपने आप चलेगी।

प्रश्न 5. "मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था।" लेखक पेड़ों को अपना दुश्मन क्यों समझ रहा था?

उत्तर बस की जर्जर अवस्था से लेखक को ऐसा महसूस हो रहा था कि बस की स्टीयरिंग कहीं भी टूट सकती है तथा ब्रेक फेल हो सकता है। ऐसे में लेखक को डर लग रहा था कि कहीं उसकी बस किसी पेड़ से टकरा न जाए। एक पेड़ निकल जाने पर वह दूसरे पेड़ का इंतजार करता था कि बस कहीं इस पेड़ से न टकरा जाए। यही वजह है कि लेखक को हर पेड़ अपना दुश्मन लग रहा था।

प्रश्न 6. 'सविनय अवज्ञा आन्दोलन' किसके नेतृत्व में, किस उद्देश्य से तथा कब हुआ था? इतिहास की उपलब्ध पुस्तकों के आधार पर लिखिए।

उत्तर सविनय अवज्ञा का आंदोलन महात्मा गांधी के नेतृत्व में 1930 में अंग्रेजी सरकार से असहयोग करने तथा पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त करने के लिए किया गया था।

Teacher's Signature

प्रश्न 7. सविनय अवज्ञा का आन्दोलन का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है? लिखिए

उत्तर 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' 1930 में सरकारी आदेशों का पालन न करने के लिए किया था। इसमें अंग्रेजी सरकार के साथ सहयोग न करने की भावना थी
लेखक ने 'सविनय अवज्ञा' का उपयोग बस के सन्दर्भ मे किया है। वह इस प्रतीकात्मक भाषा के माध्यम से यह बताना चाह रहा है कि बस विनय पूर्वक अपने मालिक व यात्रियों से उसे स्वतन्त्र करने का अनुरोध कर रही है।

पाठ 4. "दीवानों की हस्ती"

प्रश्न 1. कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है?

उत्तर कवि ने अपने आने को उल्लास इसलिए कहा है क्योंकि जहाँ भी वह जाता है मस्ती का आलम लेकर जाता है। वहाँ लोगों के मन प्रसन्न हो जाते हैं। पर जब वह उस स्थान को छोड़कर आगे जाता है तब उसे तथा वहाँ के लोगों को दुःख होता है। विदाई के क्षणों में उसकी आँखों से आँसू बह निकलते हैं।

प्रश्न 2. भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटानेवाला कवि ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने हृदय पर असफलता का एक निशान यार की तरह ले जा रहा है? क्या वह निराश है या प्रसन्न है?

उत्तर यहाँ भिखमगो की दुनिया से कवि का आशय है कि यह दुनिया

Teacher's Signature.....

केवल लेना जानती है देना नहीं। कवि ने भी इस दुनिया को प्यार दिया पर इसके बदले में उसे वह प्यार नहीं मिला जिसकी वह आशा करता है। कवि निराश है, वह समझता है कि प्यार और खुशियाँ लोगों के जीवन में भरने में असफल रहा। दुनिया अभी भी सांसारिक विषयों में उलझी हुई है।

प्रश्न 3. कविता में कौनसी बात है जो आपको सबसे अच्छी लगी?

उत्तर कविता में कवि का जीवन के प्रति दृष्टिकोण अच्छा लगा। कवि कहते है कि हम सबके सुख दुःख एक है तथा हमें एक साथ ही इन दुःखों और सुखों को भोगना पड़ता है। हमें दोनों परिस्थितियों का सामना समान भाव से करना चाहिए। ऐसी दृष्टिकोण रखने वाली ही सुखी रह सकता है।

पाठ 5 - "चिट्ठियों की अनूठी दुनिया"

प्रश्न 1 पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता?

उत्तर पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश नहीं दे सकता, क्योंकि फोन एसएमएस द्वारा केवल कामकाजी बातों को संक्षिप्त में व्यक्त कर सकते है। पत्रों द्वारा हम अपने मनोभावों को खुलकर व्यक्त कर सकते है। पत्रों से आत्मीयता झलकती है। इन्हें अनुसंधान का विषय भी बनाया जा सकता है। ये कई किताबों का आधार है। पत्र राजनीति, साहित्य तथा कला क्षेत्र में प्रगतिशील आंदोलन के कारण बन सकते है। यह क्षमता फोन या एसएमएस द्वारा दिए गए संदेश में नहीं।

एनसीईआरटी

DATE : / 20
PAGE No

प्रश्न 2. पत्र को खत, कागद, उत्तरम, जाबू, लेख, कडिद, पाती, चिट्ठी इत्यादि कहा जाता है। इन शब्दों से संबंधित भाषाओं के नाम बताइए।

उत्तर 1. खत = उर्दू, 2. कागद = कन्नड, 3. उत्तरम - तेलगु
4. जाबू = तेलगु, 5. लेख = तेलगु, 6. कडिद - तमिल
7. पाती हिन्दी, 8. चिट्ठी - हिन्दी, 9. पत्र - संस्कृत

प्रश्न 3. पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास हुए ? लिखिए।

उत्तर पत्र लेखन की कला को विकसित करने के लिए दुनिया के सभी देशों द्वारा पाठ्यक्रमों में पत्र लेखन का विषय शामिल किया गया। विश्व डाक संघ की ओर से 16 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों के लिए पत्र-लेखन प्रतियोगिताएँ भी आयोजित करने का कार्यक्रम सन 1972 से शुरू किया गया।

प्रश्न 4. पत्र धरोहर हो सकते हैं लेकिन एसएमएस क्यों नहीं ? तर्क सहित अपना विचार लिखिए।

उत्तर पत्र व्यक्ति की स्वयं की हस्तलिपि में होते हैं, जो कि व्यक्तित्व को अधिक संवेदित करते हैं। हम जितने चाहे उतने पत्रों को धरोहर के रूप में समेट कर रख सकते हैं जबकि एसएमएस को मोबाइल में सहेज कर रखने की क्षमता ज्यादा समय तक नहीं होती है। एसएमएस को जल्द ही भुला दिया जाता है। पत्र देश, काल, समाज को जानने का साधन रहा है। दुनिया के तमाम संग्रहालयों में जानी-मानी हस्तियों के पत्रों का अनूठा संकलन भी है।

Teacher's Signature.....

प्रश्न 5. क्या चिट्ठियों की जगह कभी फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं?

उत्तर पत्रों का चलन न कभी कम हुआ था, न कभी कम होगा। चिट्ठियों की जगह कोई नहीं ले सकता है। पत्र लेखन एक साहित्यिक कला है परन्तु फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल केवल काम काज के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। आज ये आवश्यकताओं में आते हैं फिर भी ये पत्र का स्थान नहीं ले सकते हैं।

प्रश्न 6. किसी के लिए बिना टिकट सादे लिफाफे पर सही पता लिखकर पत्र बैरंग भेजने पर कौन-सी कठिनाई आ सकती है? पता कीजिए।

उत्तर बिना टिकट सादे लिफाफे पर सही पता लिखकर बैरंग भेजने पर पत्र को पाने वाले व्यक्ति को टिकट की धनराशि जुर्माने के रूप में देनी होगी।

प्रश्न 7. पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है कैसे?

उत्तर पिन कोड किसी खास क्षेत्र को संबोधित करता है कि यह पत्र किस राज्य के किस क्षेत्र का है। इसके साथ व्यक्ति का नाम और नंबर आदि भी लिखना पड़ता है।
पिन कोड का पूरा रूप है पोस्टल इंडेक्स नंबर। यह 6 अंकों का होता है। हर एक का खास स्थानीय अर्थ होता है, जैसे - 1 अंक राज्य 2 और 3 अंक उपक्षेत्र, अन्य अंक क्रमशः डाकघर आदि के होते हैं। इस प्रकार पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है।

Teacher's Signature

प्रश्न 8. ऐसा क्यों होता था कि महात्मा गांधी को दुनिया भर से पत्र "महात्मा गांधी इंडिया" पता लिखकर आते थे?

उत्तर महात्मा गांधी को दुनिया भर से पत्र महात्मा गांधी इंडिया पता लिखकर आते थे, क्योंकि महात्मा गांधी अपने समय के सर्वाधिक लोकप्रिय व प्रसिद्ध व्यक्ति थे। वे भारत गौरव थे। गांधी जी देश के किस भाग में रह रहे हैं यह देशवासियों को पता रहता था। अतः उनको पत्र अवश्य मिल जाता था।

पाठ 6 - 'भगवान के डाकिए'

प्रश्न 1 कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए इसलिए बताया गया है क्योंकि

1. पक्षी और बादल वह चिट्ठियाँ लाते हैं जिसमें भगवान द्वारा भेजा गया संदेश होता है।
2. ये इंसानी डाकियों की तरह मनुष्य द्वारा बनाई सीमा में बँधकर काम नहीं करते हैं।
3. इनकी लाई चिट्ठियों को मनुष्य नहीं पढ़ पाता है। इन चिट्ठियों को पेड़, पर्वत, पौधे, पानी तथा पहाड़ पढ़ते हैं।
4. इनमें पत्रों में निहित संदेश किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं होकर सारे संसार के लिए होता है। अर्थात वे विश्वबन्धुत्व का संदेश फैलाते हैं।

प्रश्न 2. पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं? सोचकर लिखिए।

पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को ~~कौन~~ मनुष्य नहीं पढ़ पाते हैं। इन चिट्ठियों को प्रकृति के विभिन्न अंग- पेड़- पौधे पहाड़ पानी आदि पढ़ पाते हैं।

प्रश्न 4. पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?

उत्तर पक्षी और बादल की लाई चिट्ठियों में पौधे, पेड़, पानी और पहाड़ यह पढ़ पाते हैं कि प्रकृति में उनके आस पास जो सौरभ उड़ रहा है तथा जल जो वाष्प रूप में चारों ओर विद्यमान है, उसे दूर दूर तक पहुँचाना है। इस काम का प्रसार दूर-दूर तक देश अन्य देशों में भी चाहिए। इस कार्य को बिना किसी भेदभाव के स्वच्छंदता पूर्वक संपन्न करना है।

प्रश्न 5. "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है"- कथन का भाव स्पष्ट कीजिए

उत्तर 'एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है' पंक्ति का भाव यह है कि धरती के लिए इसे पृथ्वी के सभी मनुष्य एक समान है। वे कहीं के भी वासी क्यों न हों। प्रकृति (धरती) स्थान का भेदभाव किए बिना अपने -पराए की भावना से ऊपर उठकर सुगंध भेजती है। इस सुगंध मे प्रेम एकता, सद्भाव तथा समानता का संदेश छिपा होता है।

Teacher's Signature

पाठ से आगे –

प्रश्न 1 पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?

पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम, एकता, समानता और सद्भाव के आदान-प्रदान के रूप में देखते हैं। इन चिट्ठियों में भगवान द्वारा भेजा गया संदेश छिपा होता है जिसे हम समझ पाने में असमर्थ होते हैं। भगवान का यह संदेश किसी जाति धर्म संप्रदाय स्थान विशेष पर रहने वालों के लिए नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व के सभी लोगों के लिए होता है।

प्रश्न 2 आज विश्व में कहीं भी संवाद भेजने और पाने का एक बड़ा साधन इंटरनेट है। पक्षी और बादल की चिट्ठियों की तुलना इंटरनेट से करते हुए दस पंक्तियाँ लिखिए।

उत्तर पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों में भगवान द्वारा भेजा गया संदेश होता है, क्योंकि ये चिट्ठियाँ भगवान की होती हैं। इन चिट्ठियों को मनुष्य नहीं पढ़ पाता है। इनको प्रकृति के विभिन्न अंग पेड़-पौधे, पानी, पहाड़ पढ़ पाते हैं। इन चिट्ठियों में निहित संदेश किसी व्यक्ति या स्थान विशेष पर रहने वालों के लिए नहीं होता है। सामान्यतया इनमें विश्व-बंधुत्व, प्रेम, सद्भाव तथा एकता का संदेश निहित होता है। इसके विपरीत इंटरनेट वर्तमान में प्रचलित संचार के साधनों में प्रमुख है यह विज्ञान की अद्भुत खोज है। जिसकी मदद से संदेश भेजा तथा प्राप्त किया जा सकता है। इससे व्यक्ति अपने जान-पहचान वालों को जब चाहे जहाँ चाहे संदेशों का आदान-प्रदान कर सकता है। ये संदेश नितांत निजी होते हैं जिन्हें आसानी से पढ़ा जा सकता है। इससे संदेशों का आदान-प्रदान तुरंत हो जाता है।

Teacher's Signature.....

DATE / 20
PAGE No

पाठ 7 क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न 1 दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?

उत्तर दोषों का पर्दाफ़ाश करना तब बुरा रूप ले लेता है जब उसका उद्देश्य केवल आलोचना करते हुए मजाक उड़ाना ही रह गया हो। इस पर्दाफ़ाश के पीछे किसी के दोष को सुधारने का उद्देश्य न होकर उसकी बदनामी कराना हो। इसके अलावा इस पर्दाफ़ाश के पीछे किसी की भलाई का लक्ष्य न हो, किसी संस्था या प्रतिष्ठान को बदनाम करना हो, सत्यता को जाने समझे बिना लोगों के सामने लाना, अपनी निजी वैमनस्यता (दुश्मनी) का बदला लेने की भावना हो तथा स्वयं की महत्वाकांक्षा की पूर्ति करने की इच्छा हो तथा अपने चैनल की प्रसिद्धि बढ़ानी हो।

प्रश्न 2. आजकल के बहुत से समाचार पत्र या समाचार चैनल दोषों का पर्दाफ़ाश कर रहे हैं इस प्रकार के समाचारों और कार्यक्रमों की सार्थकता पर तर्क सहित विचार लिखिए?

उत्तर आजकल बहुत से समाचार पत्र या समाचार चैनल दोषों का पर्दाफ़ाश कर रहे हैं इस तरह के कार्यक्रमों की सार्थकता है क्योंकि इनको पढ़कर या देखकर व्यक्ति जागरूक हो जाएंगे अपराधियों या दोषियों से बच सकेंगे तथा अपने आस-पास घटनाओं की पुनरावृति न होने देंगे। इन कार्यक्रमों की सार्थकता तभी है जब इन पर्दाफ़ाश करने वाले कार्यक्रमों के पीछे सच्चाई ईमानदारी तथा जनकल्याण की भावना छिपी हो, यदि इनके पीछे स्वार्थ धनोपार्जन या चैनलों की प्रसिद्धि बढ़ाने की लालसा छिपी हो तो इन कार्यक्रमों की कोई सार्थकता नहीं है।

Teacher's Signature

DATE : / 20
PAGE No

पाठ 8 यह सबसे कठिन समय नहीं है

प्रश्न 1 "यह कठिन समय नहीं है" यह बताने के लिए कविता में कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं ? स्पष्ट कीजिए

उत्तर यह बताने के लिए कवि ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं-

i) अभी भी चिड़िया की चोंच में तिनका दबा है।
ii) एक हाथ सड़ती हुई पत्ती को थमाने के लिए बँधा है।
iii) अभी भी एक रेलगाड़ी गंतव्य तक जाती है।
iv) कथा का आखिरी हिस्सा बूढ़ी नानी सुना रही है जिसमें अभी भी एक बस अंतरिक्ष के पार की दुनिया से बचे हुए लोगों की खबर लाएगी।

प्रश्न 2 चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है? वह तिनकों का क्या करती होगी ? लिखिए।

उत्तर सूरज डूबने ही वाला है और सूरज डूबने से पहले चिड़िया अपने लिए घोंसला बनाना चाहती है इसलिए चिड़िया अपनी चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में है।

प्रश्न 3. कविता में कई बार 'अभी भी' का प्रयोग करके बात रखी गई है। अभी भी का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाइए और देखिए उनमें लगातार, निरंतर बिना रुके चलनेवाले किसी कार्य का भाव निकल रहा है या नहीं ?

उत्तर i) अभी भी सूरज डूबने में समय है।
ii) कक्षा खत्म होने में अभी भी बहुत समय बाकी है।
iii) अभी भी मेरा काम खत्म नहीं हुआ है।

Teacher's Signature.....

DATE : / 20
PAGE No

पाठ 9. "कबीर की साखियाँ"

प्रश्न 1. 'तलवार का महत्व होता है म्यान का नहीं'- उक्त उदाहरण से कबीर क्या कहना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर तलवार तथा म्यान के उदाहरण द्वारा 'कबीर दास' ने जाति-पाति का विरोध किया है। कबीर दास कहते हैं कि किसी मनुष्य की जाति मत पूछो क्योंकि उसके व्यक्तित्व की विशेषता उसके ज्ञान से होती है। ज्ञान के आगे जाति का कोई अस्तित्व नहीं है।

प्रश्न 2. पाठ की तीसरी साखी- जिसकी एक पंक्ति है 'मनुवाँ तो दहु दिसि फिरै, यह तो सुमिरन नाहिं' के द्वारा कबीर क्या कहना चाहते हैं?

उत्तर केवल माला जपने से या मुँह से राम नाम का जाप करने से ही ईश्वर की प्राप्ति नहीं होती है। बल्कि ईश्वर की भक्ति के लिए एकाग्रचित होना आवश्यक है। यदि हमारा मन चारों दिशाओं में भटक रहा है और मुख से हरि का नाम ले रहे हैं तो वह सच्ची भक्ति नहीं है। यह केवल दिखावा है।

प्रश्न 3. कबीर घास की निंदा करने से क्यों मना करते हैं। पढ़े हुए दोहे के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर कबीर दास जी ने अहंकार वश किसी भी वस्तु को हीन समझने का विरोध किया है। क्योंकि एक छोटी से छोटी वस्तु भी हमें नुकसान पहुँचा सकती है। घास के माध्यम से कबीर दास जी ने इसे स्पष्ट किया है। यदि घास का एक तिनका भी उड़कर हमारी आँखों में पड़ जाए तो हमें पीड़ा होती है इसलिए हमें इस घमंड में नहीं रहना चाहिए कि कोई

Teacher's Signature

हमसे छोटा या हीन है। हर एक में कुछ न कुछ अच्छाई होती है। अतः किसी की भी निंदा नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 4. मनुष्य स्वयं अपने व्यवहार से किसी को भी विरोधी बना लेता है यह किस दोहे में व्यक्त हुआ है।

उत्तर "जग में बैरी कोई नहीं जो मन शीतल होय।
या आपा को डारि दे दया करै सब कोय॥"

पाठ-10 'कामचोर'

प्रश्न 1. कहानी में मोटे मोटे किस काम के हैं? किन के बारे में और क्यों कहा गया?

उत्तर मोटे-मोटे से तात्पर्य यहाँ घर के सभी बच्चों से लिया गया है। बच्चे सारे दिन खेलते कूदते रहते थे परन्तु घर के काम काज में ज़रा सी भी मदद नहीं करते थे। उनके पिताजी ने फरमान जारी कर दिया की अब ये बच्चे काम करेंगे ना कि आराम। उनके अनुसार आराम के कारण ही सब मोटे होते जा रहे हैं।

प्रश्न 2. बच्चों के उधम मचाने के कारण घर की क्या क्या दुर्दशा हुई?

उत्तर बच्चों के उधम मचाने के कारण सारा घर अस्त-व्यस्त हो गया। मटके-सुराहियाँ इधर-उधर भागने लगे। घर में धूल मिट्टी और कीचड़ का ढेर लग गया। मटर की सब्जी बनने से पहले भेड़ खा गई। मुर्गे-मुर्गियों के कारण कपड़े गंदे हो गए। इस वजह से पारिवारिक शांति भंग हो गई। अम्मा ने तो घर छोड़ने का भी फैसला ले लिया।

Teacher's Signature.....

वसंत भाग 3 कक्षा 8 एनसीईआरटी

DATE: / 26
PAGE No

प्रश्न 3. "या तो बच्चाराज कायम कर लो या मुझे ही रख लो।" अम्मा ने कब कहा? और इसका परिणाम क्या हुआ?

उत्तर अम्मा ने बच्चों द्वारा किए गए घर के हालत को देखकर ऐसा कहा था। जब पिताजी ने बच्चों को घर के काम-काज में हाथ बँटाने को कहा तब उन्होंने इसके विपरित सारे घर को तहस-नहस कर दिया। जिससे अम्मा जी बहुत परेशान हो गई थीं। इसका परिणाम ये हुआ कि पिताजी ने घर की किसी भी चीज़ को हाथ न लगाने की हिदायत दे डाली। अगर किसी ने घर का काम किया तो उसे रात का खाना नहीं दिया जाएगा।

प्रश्न 4. 'कामचोर' कहानी क्या संदेश देती है?

उत्तर यह एक हास्यप्रधान कहानी है। यह कहानी संदेश देती है कि बच्चों को घर के कामों से अनभिज्ञ नहीं होना चाहिए। उन्हें उनके स्वभाव के अनुसार, उम्र और रूचि ध्यान में रखते हुए काम कराना चाहिए। जिससे बचपन से ही उनमें काम के प्रति लगन तथा रूचि उत्पन्न हो न कि ऊब।

प्रश्न 5. क्या बच्चों ने उचित निर्णय लिया कि अब चाहे कुछ भी हो जाए, हिलकर पानी भी नहीं पिएँगे।

उत्तर बच्चों द्वारा लिया गया निर्णय उचित नहीं था क्योंकि स्वयं हिलकर पानी न पीने का निश्चय उन्हें और भी कामचोर बना देगा। वे कभी भी कोई काम करना सीख नहीं पाएँगे। बच्चों को काम तो करना चाहिए पर समझदारी के साथ। बड़ों को उनको काम सिखाना चाहिए और आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन देना चाहिए।

Teacher's Signature

DATE : / 20
PAGE No

प्रश्न 6 घर के सामान्य काम हों या अपना निजी काम, प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुरूप उन्हें करना आवश्यक क्यों है?

उत्तर अपनी क्षमता के अनुसार काम करना इसलिए जरूरी है क्योंकि क्षमता के अनुरूप किया गया कार्य सही और सुचारु रूप से होता है। यदि हम अपने घर का काम या अपना निजी काम, नहीं करेंगे तो हम कामचोर बन जाएँगे। हमें अपने कामों के लिए आत्मनिर्भर रहना चाहिए।

प्रश्न 7. भरा-पूरा परिवार कैसे सुखद बन सकता है

उत्तर भरा-पूरा परिवार तब सुखद बन सकता है जब सब मिल-जुलकर कार्य करें व दुखद तब बनता है जब सब स्वार्थ भावना से कार्य करें। कामों को क्षमतानुसार विभाजित करने से कहानी जैसी दुखद स्थिति से बचा जा सकता है। कार्यों को बाँटने से किसी दूसरे को काम करने के लिए कहने की जरूरत होगी और तनाव भी उत्पन्न होगा।

प्रश्न 8. बड़े होते बच्चे किस प्रकार माता-पिता के सहयोगी हो सकते हैं और किस प्रकार भार? कामचोर कहानी के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर बड़े होते बच्चे यदि माता-पिता को छोटे-छोटे कार्यों में मदद करें तो वे उनके सहयोगी हो सकते हैं जैसे- अपना कार्य स्वयं करें, अपने-आप स्कूल के लिए तैयार हो जाएँ, अपने खाने के बर्तन यथासंभव स्थान पर रखें, अपना कमरा स्वयं साफ रखें। यदि हम बच्चों को कार्य करने की सीख नहीं देते हैं तो वह माता-पिता के लिए भार के समान होते हैं। यदि बचपन में या समय रहते काम न सिखाया जाए तो वह ढंग से नहीं कर पाते।

Teacher's Signature.....

पाठ - 11
जब सिनेमा ने बोलना सीखा

प्रश्न 1. जब पहली बोलती फिल्म प्रदर्शित हुई तो उसके पोस्टरों पर कौन-से वाक्य छापे गए ? उस फिल्म में कितने चेहरे थे ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर "वे सभी सजीव हैं, साँस ले रहे हैं, शत-प्रतिशत बोल रहे हैं, अठहत्तर मुर्दा इनसान जिंदा हो गए उनको बोलते, बातें करते देखो।" देश की पहली बोलती फिल्म 'आलमआरा' के पोस्टरों पर ये वाक्य छपे हुए थे।

प्रश्न 2. पहला बोलता सिनेमा बनाने के लिए फिल्मकार अर्देशिर एम ईरानी को प्रेरणा कहाँ से मिली ? उन्होंने आलम आरा फिल्म के लिए आधार कहाँ से लिया। विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर पहली बोलती फिल्म आलम आरा बनाने के लिए 1929 में अर्देशिर ने एक बोलती हॉलीवुड फिल्म 'शो बोट' देखी और उनके मन में बोलती फिल्म बनाने की इच्छा जगी। पारसी रंगमंच के एक लोकप्रिय नाटक को आधार बनाकर उन्होंने अपनी फिल्म की पटकथा बनाई।

प्रश्न 3. विट्ठल का चयन आलम आरा फिल्म के नायक के रूप में हुआ लेकिन उन्हें हटाया क्यों गया ? विट्ठल ने पुनः नायक होने के लिए क्या किया ?

उत्तर विट्ठल को उर्दू बोलने में मुश्किलें आती थी इसलिए उनको हटाकर मेहबूब को नायक बनाने का निश्चय किया। विट्ठल ने नाराज होकर अपना हक पाने के लिए मुकदमा कर दिया।

प्रश्न 4. पहली सवाक् फिल्म के निर्माता-निर्देशक अर्देशिर को जब सम्मानित किया गया तब सम्मानकर्ताओं ने उनके लिए क्या कहा था? अर्देशिर ने क्या कहा? और इस प्रसंग में लेखक ने क्या टिप्पणी की है? लिखिए

उत्तर जब 1956 में 'आलम आरा' के प्रदर्शन के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर उन्हें सम्मानित किया गया और उन्हें 'भारतीय सवाक् फिल्मों का पिता' कहा गया तो उन्होंने उस मौके पर कहा था "मुझे इतना बड़ा खिताब देने की जरूरत नहीं है। मैंने तो देश के लिए अपने हिस्से का जरूरी योगदान दिया है।"

पाठ - 12

सुदामा-चरित

व्याख्या -

1 सीस पगा न झँगा - - - अपनो नाम सुदामा ॥

प्रसंग प्रस्तुत पद्यांश हमारी हिन्दी की पाठ्य-पुस्तक वसंत के पाठ-12 सुदामा चरित से लिया गया है इसमें द्वारपाल के द्वारा सुदामा की स्थिति बताने का वर्णन है।

व्याख्या जब सुदामा श्री कृष्ण से मिलने द्वारिका आते है तो तो द्वारपाल उनके आने का समाचार श्री कृष्ण को देते हुए कहते है कि हे प्रभु पता नहीं बाहर कोई दुर्बल ब्राह्मण आया है जिसके न तो सिर पर पगड़ी है और न ही शरीर पर कपड़ा है पता नहीं किस गाँव से आया है? फटी हुई धोती पहने हुए है और दुपट्टा भी मैला सा

सा है उसे देखकर तो यह पृथ्वी भी आश्चर्यचकित हो रही है और तो और वो दीनदयाल का धाम पूछ रहा है और अपना नाम सुदामा बता रहा है।

8\. ऐसे बेहाल बिवाइन ———— जल सो पग धोए।

प्रसंग — प्रस्तुत पद्यांश हमारी हिन्दी की पाठ्य पुस्तक वसंत के पाठ-12 सुदामा चरित से उद्धृत है। इसमें श्री कृष्ण का सुदामा से मिलन होने पर करुण भाव से रोने का वर्णन है।

व्याख्या — जब द्वारपाल श्रीकृष्ण को सुदामा के आने की सूचना देते हैं तो कृष्ण दौड़कर सुदामा से मिलने आते हैं और उन्हें अपने साथ महल में लेकर जाते हैं व सुदामा से कहते हैं अरे मित्र तुम्हारे पैरों की क्या दशा हो गई एड़ियां फट गई है और कांटों के जाल पैरों में लग गए तुमने इतना कष्ट क्यों पाया, तुम इतने दिन (सममतक) कहा थे आए क्यों नहीं? इसप्रकार सुदामा को देखकर भगवान श्रीकृष्ण रोने लगे और वे इतना रोए कि उनके आँसुओं से ही सुदामा के पैर धुल गए पानी और परात की आवश्यकता भी नहीं पड़ी।

Teacher's Signature.......